सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 297 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 8 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मैं जो भी हूं या होने की आशा करता हूं, उसका श्रेय मेरी मां को जाता है।
-अब्राहम लिंकन

बांग्लादेशी अप्रवासियों को नागरिकता देने का... 7 | तीन राज्यों में सीएम पर सस्पेंस... 3 | अस्पतालों में न डॉक्टर हैं न ही... 2

# महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता पर लटकी 'तलवार'

## कैश फॉर क्वेरी मामले में पेश हुई एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट

» टीएमसी सांसद बोली- मां दुर्गा आ गई हैं, अब महाभारत का रण होगा

» रिपोर्ट पर 30 मिनट की चर्चा का दिया गया समय

» रिपोर्ट में महुआ पर लगे गंभीर आरोप, सदस्यता रद्द करने की सिफारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद सत्र के आज पांचवें दिन लोकसभा में जिस हंगामे की उम्मीद थी, वो देखने को मिला। दरअसल, इस हंगामे की उम्मीद इसलिए थी क्योंकि संसद में आज कैश फॉर क्वेरी मामले में फंसी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर लोकसभा में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश होनी थी। जैसे ही संसद में एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश हुई टीएमसी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। साथ ही अन्य विपक्षी दल भी इसको लेकर हंगामा करने लगे, नतीजन लोकसभा की कार्यवाही को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इसके बाद रिपोर्ट पर चर्चा के लिए 30 मिनट का समय दिया गया।

एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की गई है। साथ ही महुआ पर गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। रिपोर्ट पेश होने के बाद संसद में विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया और नारे लगाए। रिपोर्ट पेश होने के बाद समिति की सिफारिश के आधार पर महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता को खत्म करने के प्रस्ताव का विचार पहले से ही था। ऐसे में संभव है कि इस दौरान विपक्ष रिपोर्ट पर मत विभाजन मांग कर सकता है। इसीलिए भाजपा ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी कर आज सदन में रहने के लिए कहा है।



### अधीर रंजन बोले-बदले की भावना से प्रेरित है कार्यवाही

वहीं महुआ मोइत्रा मामले पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उनके पास महुआ को निकालने के लिए कुछ नहीं है। वे उसे बुला सकते थे, उसकी निंदा कर सकते थे। कोई साक्ष्य नहीं है। ये बदले की भावना से सामने आ रहा है। वहीं, कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा है कि रिपोर्ट में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के निष्कासन की कही गई बात का हम पुरजोर विरोध करेंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा है कि यह सरकार का एक दुस्साहस है। अगर सरकार यह दुस्साहस करेगी तो वे महुआ मोइत्रा की झोली में 50,000 वोट और डाल देंगे।

### भाजपा ने शुरू किया 'वस्त्रहरण' : मोइत्रा

इससे पहले महुआ मोइत्रा जब संसद पहुंचीं। तो उन्होंने रिपोर्ट पेश होने से पहले ही कहा कि मां दुर्गा आ गई हैं, अब देखेंगे। उन्होंने कहा कि जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है। टीएमसी सांसद ने कहा कि उन्होंने 'वस्त्रहरण' शुरू किया, अब आप 'महाभारत का रण' देखेंगे।

### पहले 4 दिसंबर को पेश होनी थी रिपोर्ट

विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने 9 नवंबर को एक बैठक में 'कैश-फॉर-क्वेरी' के आरोप पर महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश करते हुए अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। कमेटी के 6 सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। इनमें कांग्रेस सांसद परनीत कौर भी शामिल थीं, जिन्हें पहले पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। विपक्षी दलों से संबंधित पैनल के 4 सदस्यों ने असहमति नोट पेश किए थे। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को 'फिक्स्ड मैच' करार दिया था। यह रिपोर्ट पहले चार दिसंबर के निचले सदन के एजेंडे में सूचीबद्ध थी, लेकिन इसे पेश नहीं किया गया। कई विपक्षी सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया है कि मोइत्रा पर निर्णय लेने से पहले सिफारिशों पर चर्चा होनी चाहिए।

# लालदुहोमा ने ली मिजोरम के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ

» राज्य की 40 में से 27 सीटें जीतकर जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने हासिल की सत्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आइजोल। मिजोरम में आज नई सरकार का गठन हो गया और प्रदेश को एक नया मुख्यमंत्री मिल गया है। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने आज मिजोरम के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राजधानी आइजोल में राजभवन परिसर में लालदुहोमा और अन्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इससे पहले बुधवार को ही लालदुहोमा ने राज्यपाल से मिलकर सरकार गठन का दावा पेश कर दिया था। जेडपीएम ने राज्य की 40 में से 27 सीटों पर जीत हासिल कर एमएनएफ और कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था।

### 2017 में अस्तित्व में आई जेडपीएम

पूर्व आईपीएस लालदुहोमा ने जोराम नेशनलिस्ट पार्टी नाम से एक दल बनाया, जिसके जरिए वे राज्य की राजनीति में सक्रिय हुए। वहीं दूसरी ओर, राज्य के पांच अन्य छोटे दलों के साथ लालदुहोमा की पार्टी ने गठबंधन कर लिया। जिसके बाद वह गठबंधन राजनीतिक पार्टी में तब्दील हो गया, जो 2017 में जेडपीएम पार्टी के नाम से अस्तित्व में आया।

### इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी रहे हैं सीएम लालदुहोमा

मिजोरम में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी जेडपीएम के अध्यक्ष लालदुहोमा मिजोरम के एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं। जानकारी के मुताबिक, 1972 से 1977 तक लालदुहोमा ने मिजोरम के मुख्यमंत्री के प्रधान सहायक के तौर पर काम किया था। अपनी स्नातक की पढ़ाई के बाद उन्होंने भारतीय सिविल सेवा परीक्षा दी। 1977 में आईपीएस बनने के बाद उन्होंने गोवा में एक स्क्वाड लीडर के तौर पर काम किया। तैनाती के दौरान उन्होंने तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की। 1982 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना सुरक्षा प्रभारी नियुक्त किया था। पुलिस उपायुक्त के रूप में विशेष पदोन्नति दी गई थी। राजीव गांधी की अध्यक्षता में 1982 एशियाई खेलों की आयोजन समिति के सचिव भी थे।

# अस्पतालों में न डॉक्टर हैं न ही दवाइयां : अखिलेश

## बोले- लोकसभा चुनाव में जनता चाहती है परिवर्तन

» सपा प्रमुख ने यूपी की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा

» चार राज्यों का चुनाव परिवर्तन का संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर हमला बोलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। ये ही वजह है कि सपा प्रमुख अक्सर ही भाजपा सरकार पर निशाना साधते रहते हैं। अब एक अखिलेश यादन ने उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर करारा हमला बोला है। जिसको लेकर अक्सर योगी सरकार अपना दंभ भरती रहती है। सपा मुखिया ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी बदहाल हो गई हैं कि अस्पतालों में न डॉक्टर है न दवाई। मैं तो कहता हूं कि मेरे साथ सरकार का कोई आदमी चलकर अस्पतालों का जायजा ले ले।

अखिलेश यादव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप के आवास पर आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सपा अध्यक्ष ने कहा कि चार राज्यों के चुनाव और उनके परिणाम साफ तौर पर परिवर्तन का संकेत दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में परिस्थितियां दूसरी हैं। अब लोकसभा चुनाव में भी जनता परिवर्तन चाहती है। वहीं 2024 के मुद्दे और जनता की समस्याओं के बारे में बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के सामने वही पुराने सवाल हैं। किसानों की आय दोगुनी करना, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाएं और विकास। सपा प्रमुख ने कहा कि बाराबंकी समाजवादियों का पुराना गढ़ रहा है। यहां एक बार फिर समाजवादी परचम लहराएगा। योगी के लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर अखिलेश यादव ने इस मुद्दे पर बाद में चर्चा करने की बात कह कर मुस्कुरा दिया।

**जनता के सामने रोजगार, स्वास्थ्य और विकास की समस्याएं**

## शंकर जी का पुजारी हूं, श्राप दे दूंगा अखिलेश को तो पीलिया हो जाएगा : राजभर

यूपी के हरदोई में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वो भगवान शंकर के पुजारी हैं और उनके झंडे का रंग पीला है। अगर उन्होंने श्राप दे दिया तो अखिलेश यादव को पीलिया हो जाएगा और तब तक ठीक नहीं होगा जब तक वो सुभासपा का झंडा नहीं पकड़ेंगे। वहीं मंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि जब यूपी में विस्तार होगा तब वो भी मंत्री बनेंगे। ओपी राजभर ने कहा कि हम भाजपा के साथ आए तो सबसे ज्यादा अगर किसी को तकलीफ है या किसी को कोई बीमारी ने पकड़ लिया है तो उसका नाम समाजवादी पार्टी है। राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव जी कान खोल कर सुन लो, तुमने हम लोगों का हिस्सा लूटा है अब वोट की तरफ देखने की कोशिश मत करना, नहीं तो यह ओमप्रकाश राजभर शंकर भगवान का पुजारी है, हमारे झंडे का रंग पीला है मन बनाकर श्राप दूंगा तो पीलिया हो जाएगा, तब तक नहीं ठीक होगा जब तक झंडा नहीं पकड़ोगे। अखिलेश पर हमला करते हुए राजभर ने कहा कि ये तो मुसलमानों के भी नहीं हुए। चार बार सरकार बनी, सामाजिक न्याय की बात करते हो, सामाजिक न्याय में सिर्फ यादव आता है चार बार में अगर अलग अलग जाति का मुख्यमंत्री बना देते तब मैं मानता कि तुम सामाजिक न्याय की बात करते हो। सामाजिक न्याय की बात करने वाले एक जाति के लिए काम करोगे। इसको हम बर्दाश्त नहीं करते हैं। सामाजिक न्याय के दायरे में हम सभी लोग आते हैं सबको हिस्सा चाहिए।

## लेफ्ट पार्टियां नहीं चला रहीं अंतरजातीय मैरिज ब्यूरो : पिनाराई विजयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन एक जानेमाने मुस्लिम जानकार की बात पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि लेफ्ट पार्टियां अंतरजातीय मैरिज ब्यूरो नहीं चला रही है। दरअसल, समस्त केरल जमियतुल उलेमा सुन्नी युवजन संगम के सचिव नजर फैजी कुदथयी ने दावा किया था कि वामपंथी संगठन हिंदू समुदाय में शादी के लिए मुस्लिम महिलाओं के अपहरण में मदद कर रहे हैं।

अंगामली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विजयन ने अंतरजातीय शादियों का समर्थन किया है। उनका कहना है कि अगर एक पुरुष और महिला प्यार करते हैं, पसंद करते हैं और वे शादी करना चाहते हैं तो उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने पलटवार किया और कहा कि वामपंथी संगठन इंटरकास्ट मैरिज ब्यूरो नहीं चला रहे हैं। इस्लामिक जानकार ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर शादियां कराने पर लेफ्ट संगठनों पर निशाना साधा था।

# जो मस्जिद, मंदिर तोड़कर बनाई जाए वह स्वीकार नहीं : मदनी

» बोले- सुप्रीम कोर्ट ने नहीं माना मंदिर तोड़कर बनी थी मस्जिद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का कहना है कि जो मस्जिद, मंदिर तोड़कर बनाई जाए वह इस्लाम में मस्जिद स्वीकार नहीं है। जहां तक अयोध्या की बात है तो सुप्रीम कोर्ट ने यह नहीं माना है कि राम मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनी थी। आस्था की बुनियाद पर यह जमीन दूसरे पक्ष को दी गई है। हम तो 70 वर्षों से केवल इस बात की लड़ाई न्यायालय में लड़ रहे थे कि यह बाबरी मस्जिद है इसे मंदिर तोड़कर नहीं बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि जो इल्जाम बाबर पर लगे थे कि उसने राम मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बना ली आज वही इल्जाम मौजूद लोगों पर लग गए हैं कि उन्होंने मस्जिद तोड़कर राम मंदिर बना लिया। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद बाबर तो इस इल्जाम से बरी हो गया। मदनी ने कहा कि हमने अदालत को बताया था कि अगर किसी भी प्रार्थना स्थल को किसी अन्य धर्म के मंदिर के अवशेषों के ऊपर बनाया गया है, तो वहां नमाज अदा करने की इजाजत नहीं है। ये साबित भी हुआ कि बाबरी को किसी मंदिर को तोड़कर नहीं बनाया गया था। यहीं पर हमारी जीत होती है। देश के सबसे बड़े मुस्लिम संगठन के प्रमुख मौलाना मदनी ने आगे कहा कि इसके अलावा हम सहिष्णु लोग हैं और आजादी की लड़ाई में अपनी असाधारण भागीदारी के लिए जाने जाते हैं। हम आज भी उन सच्चे राष्ट्रवादियों में से हैं, जो एक बेहतर भारत के निर्माण में लगे हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में हिंदू पक्ष के पक्ष में फैसला सुनाया था।

## संक्षिप्त खबरें

### फिसलकर गिरे केसीआर, आई गंभीर चोट

**हैदराबाद।** तेलंगाना में चुनाव हारने और सत्ता जाने के बाद अब प्रदेश के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव को एक और बड़ा झटका लगा है। अब केसीआर एक हादसे का शिकार हो गए हैं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व सीएम गिर गए थे, जिसके चलते उनकी कमर में गंभीर चोट आई है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत हो सकती है। फिलहाल, डॉक्टर उनकी जांच में जुटे हुए हैं और परिजन भी अस्पताल में मौजूद हैं। कहा जा रहा है कि रात में केसीआर का पैर फिसल गया था और वह गिर गए। फिलहाल, केसीआर का इलाज सोमाजीगुड़ा यशोदा अस्पताल में चल रहा है। शुरुआती जांच से पता चला है कि उनकी कूल्हे की हड्डी टूट गई है। उनकी हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि घटना ऐरावेली स्थित फार्म हाउस पर हुई है।

### पीएम मोदी की गारंटी में लोगों को विश्वास : भूपेंद्र चौधरी

**सीतापुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सीतापुर भाजपा जिला मुख्यालय पहुंचे। खैराबाद टोल प्लाजा पर जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया। जहां से सीधा वह जिला भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने दस मिनट भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य पदाधिकरियों से वार्ता की। इसके बाद मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प व आम कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है। जनता से जो भी वादे किए गए, सब पूरे हो रहे हैं। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए लगातार काम किया जा रहा है। पीएम मोदी की गारंटी में लोगो को विश्वास है। तेलंगाना में भी भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में चुनाव पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ा गया था। उन्होंने कहा कि अन्य दलों को अपनी हार स्वीकार करनी चाहिए।

# नवाब मलिक पर गरमाई महाराष्ट्र की सियासत

» सुप्रिया सुले ने भाजपा पर लगाए मलिक का अपमान करने के आरोप

» अजित पवार गुट के साथ नजर आए नवाब मलिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी सांसद सुप्रिया सुले ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि पार्टी महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक का अपमान कर रही है। सुप्रिया सुले ने ये भी आरोप लगाया कि भाजपा ने अजित पवार गुट को फंसाया हुआ है। सुप्रिया सुले ने भाजपा को भ्रष्ट जुमला पार्टी बताया। सुप्रिया सुले का यह बयान राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के उस पत्र के बाद सामने आया है, जो फडणवीस ने अजित पवार को लिखा था।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सुप्रिया सुले ने कहा कि मैंने पत्र पढ़ा है और जिस तरह से नवाब मलिक का अपमान किया गया है, वह गलत है। बता दें कि 7 दिसंबर को एनसीपी नेता नवाब मलिक विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल हुए। इस दौरान वह विधानसभा में सत्ता पक्ष की तरफ अजित पवार गुट के विधायकों के साथ बैठ गए। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे हैं कि नवाब मलिक अजित पवार गुट में शामिल होने जा रहे हैं। इन कयासों के बीच राज्य के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के दूसरे डिप्टी सीएम और एनसीपी गुट के नेता अजित पवार को पत्र लिखा है। इस पत्र में फडणवीस ने सलाह दी है कि अजित पवार को नवाब मलिक को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करना चाहिए। बीजेपी नेता आशीष शेलार ने देवेंद्र फडणवीस के लेटर पर कहा कि हमने अपना रुख साफ कर दिया है। हमारे लिए सत्ता से ज्यादा महत्वपूर्ण देश है। सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन हम कुछ बिंदुओं पर समझौता नहीं कर सकते और ना ही करेंगे। जिस तरह के आरोप नवाब मलिक पर लगे हैं, ऐसे में बीजेपी किसी व्यक्ति का समर्थन स्वीकार नहीं कर सकती। वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के उदय सामंत ने भी फडणवीस का समर्थन किया।

### मलिक का देशद्रोही से संबंध : फडणवीस

मलिक के अजित गुट में आने पर देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार को चिट्ठी लिखकर कहा कि नवाब मलिक को गठबंधन में लेना सही नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता आती जाती रहती है पर इससे ज्यादा देश महत्वपूर्ण है। मलिक को शामिल करने से गठबंधन में शामिल पार्टियों को नुकसान होगा। फडणवीस ने लेटर में कहा कि नवाब मलिक जिस तरह के आरोपों का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए हमारी राय है कि उन्हें गठबंधन में शामिल करना उचित नहीं होगा। मलिक केवल मेडिकल जमानत पर बाहर है, नियमित बेल पर नहीं। फडणवीस ने आगे कहा कि आरोप साबित नहीं होंगे तो उनका स्वागत जरूर कीजिए। आपकी (अजित पवार) पार्टी में किसे लेना है और किसे नहीं ये आपका अधिकार है। नवाब मलिक का देशद्रोही से संबंध है। ऐसे में आप हमारी भावना को समझेंगे ऐसी आशा है।

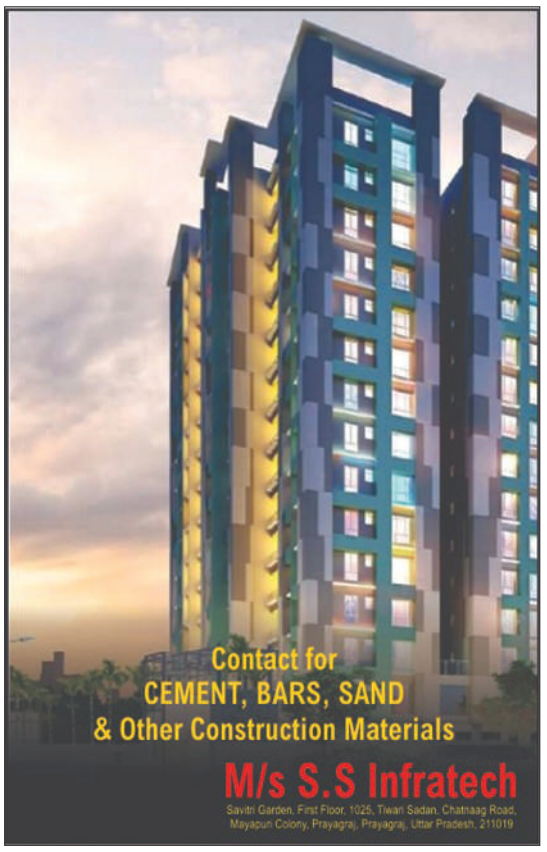

# तीन राज्यों में सीएम पर सस्पेंस बरकरार

» एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम चुनना भाजपा के लिए बना सिरदर्द

» मुख्यमंत्री के जरिए 2024 को साधने की तैयारी में बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच में से तीन राज्यों में विजय पताका फहराकर और सत्ता को हासिल करके भारतीय जनता पार्टी को खुश होना चाहिए। जश्न मनाना चाहिए। लेकिन इतना सबकुछ होने के बाद भी भाजपा के खेमे में बेचैनी मची हुई है। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और पूरा पार्टी का खेमा काफी चिंतित और परेशान हैं। दरअसल, ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार तो बना ली है। लेकिन अब इस सरकार को संभालेगा कौन? इसका जवाब पार्टी को नहीं मिल पा रहा है। पार्टी को ये समझ ही नहीं आ रहा है कि इन राज्यों में मिली नई सत्ता की जिम्मेदारी किसे सौंपी जाए और आखिर किसे मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के सीएम की कुर्सी पर बैठाया जाए। भाजपा के सामने ये चुनौती इसलिए बनी हुई है क्योंकि पार्टी इस बार इन राज्यों में बिना किसी सीएम फेस के उतरी थी।

सभी जगह पार्टी ने चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के फेस पर लड़ा था। अब पार्टी चुनावों में जीत गई है और सत्ता हासिल कर ली है। तो जाहिर है कि अब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर तो पीएम मोदी बैठेंगे नहीं। इसलिए अब पार्टी के सामने समस्या खड़ी हो गई है कि आखिर किसे सौंपी जाए मुख्यमंत्री की कुर्सी। क्योंकि इन तीनों ही राज्यों में पार्टी के पास एक नहीं कई उम्मीदवार हैं। सभी अपनी-अपनी क्षमतानुसार अपनी दावेदारी ठोंक रहे हैं और पार्टी आलाकमान पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा में अगर किसी की चलती है तो वो दो ही चेहरे हैं। यानी जिस पर पार्टी आलाकमान अपनी मोहर लगा देता है सभी नेता और विधायक उसी को स्वीकार कर लेते हैं। लेकिन इन राज्यों में ये पेच इसलिए भी फंसा है क्योंकि यहां प्रदेश में जो चेहरे हैं वो भी कोई मामूली चेहरे नहीं हैं। हालांकि, छत्तीसगढ़ में भाजपा को मुख्यमंत्री के चुनाव में उतनी दिक्कत नहीं आ रही है। लेकिन असल समस्या तो मध्य प्रदेश और राजस्थान में बनी हुई है। क्योंकि यहां पर शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे, दोनों ही अपनी एक मजबूत पकड़ रखते हैं। इस जीत में भी इन दोनों की भूमिका अहम है। शिवराज तो मध्य प्रदेश के पिछले लगभग 18 सालों से सीएम की कुर्सी पर बैठे हैं। तो वहीं दूसरी ओर वसुंधरा राजे वो शख्सियत हैं जिनके आगे इसी चुनाव में भाजपा आलाकमान और खुद पीएम मोदी तक को झुकना पड़ा। इसलिए भाजपा को इन राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन करने में काफी समस्या हो रही है। क्योंकि भाजपा इस बार मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपने इन दो दिग्गजों को साइडलाइन करना चाह रही है। इनके स्थान पर किसी नए चेहरे को मौका देने का विचार कर रही है। लेकिन एक तो इन दो दिग्गजों की मजबूत पकड़ और दूसरा दोनों ही राज्यों में कई उम्मीदवारों का होना पार्टी आलाकमान के लिए सिर दर्द बना हुआ है।

## विधायकी जीते सांसदों ने दिए इस्तीफे

इन तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री को लेकर जंग इसलिए और भी रोचक हो गई क्योंकि भाजपा द्वारा विधायकी लड़े और जीतने वाले कई सांसदों ने अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, इस बार इन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 21 सांसदों को मैदान में उतारा था। इसमें 11 सांसदों को जीत मिली थी। जबकि 10 सांसदों को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने आज एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए अपने जीते हुए अधिकतर सांसदों से इस्तीफा ले लिया है। इसमें केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर, बाबा बालकनाथ, राकेश सिंह, प्रहलाद सिंह पटेल और सांसद रीति पाठक शामिल हैं। छत्तीसगढ़ से अरुण साव और गोमती साईं से भी इस्तीफा ले लिया गया है। इन सांसदों के इस्तीफों के बाद अब इस बात की भी अटकलबाजी तेज हो गई है कि इनमें से कुछ लोगों को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

## भाजपा एमपी में फिर ओबीसी चेहरे पर ही लगा सकती है दांव

दरअसल, एमपी में इस बार शिवराज सिंह चौहान की जगह नरेंद्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश की कमान सौंपने की चर्चा जोरों पर है। वे पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के करीबी के रूप में भी देखे जाते हैं। लेकिन चुनावों के दौरान ही एक विवादित वीडियो के सामने आ जाने के बाद उनकी दावेदारी कुछ कमजोर हो गई है। वहीं दूसरी ओर पिछड़े समुदाय से आने वाले प्रह्लाद सिंह पटेल को भी मध्य प्रदेश के संभावित मुख्यमंत्री के रूप में देखा जा रहा है। पिछड़े समुदाय से आने के कारण वे भाजपा की राजनीति को खूब सूट भी करते हैं। मध्य प्रदेश में लगभग आधी आबादी पिछड़े समुदाय की है। यही कारण है कि अनुमान है कि भाजपा इस बार भी मध्य प्रदेश में किसी पिछड़े चेहरे को ही मैदान में उतारेगी। क्योंकि शिवराज सिंह चौहान भी पिछड़े समुदाय से आने के कारण ही अब तक पार्टी की पहली पसंद बने हुए थे। जिस तरह की चर्चा चल रही है, शिवराज सिंह चौहान को उनके पद से हटाकर बीजेपी भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखकर प्रदेश में नया नेतृत्व विकसित चाहती है। शिवराज सिंह चौहान को हटाए जाने के बाद इसे पिछड़ा विरोधी कदम करार दिया जा सकता है। जो भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। यदि उनकी जगह पर आने वाला नया चेहरा भी पिछड़े समुदाय से हो तो पिछड़े समुदाय के मतदाताओं के बीच कोई भ्रम की स्थिति पैदा होने से बचा जा सकेगा। इस समीकरण पर भी प्रह्लाद सिंह पटेल भाजपा की पहली पसंद हो सकते हैं।

## राजस्थान-छत्तीसगढ़ में भी कई उम्मीदवार

वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री के नाम को लेकर पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, बाबा बालकनाथ और दीया कुमारी के नाम को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। अभी तक राजस्थान से बाबा बालकनाथ का नाम सीएम के लिए काफी आगे चल रहा है। यहां तक की लोग तो उन्हें बधाइयां तक देने लगे हैं। वहीं अब अश्वनि वैष्णव का नाम भी

सामने आ रहा है। जबकि छत्तीसगढ़ में भी मुख्यमंत्री पद को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। इसी के मद्देनजर पिछले दिनों प्रदेश अध्यक्ष और सांसद अरुण साव, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, और राज्य के लिए पार्टी के सह-प्रभारी नितिन नबीन ने बैठक की। छत्तीसगढ़ में सीएम की रेस में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के अलावा रेणुका सिंह, प्रदेश अध्यक्ष और सांसद अरुण साव, बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और अदिवासी चेहरा लता उसेंडी व छत्तीसगढ़ बीजेपी के दिग्गज नेता बृजमोहन अग्रवाल के नाम शामिल हैं।

## महिला और आदिवासी भी रेस में

वहीं भाजपा ने आदिवासी मतदाताओं के बीच अच्छी पैठ बनाई है। लोकसभा चुनाव के साथ-साथ गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासी मतदाताओं ने भाजपा का अच्छा साथ दिया है। यही कारण है कि अटकलें लगाई जा रही हैं कि मोदी किसी आदिवासी चेहरे को मुख्यमंत्री बनाकर इस समुदाय को अपने साथ और मजबूती से जोड़ने का काम कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव में विपक्ष आदिवासियों का मुद्दा उठा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा आदिवासी चेहरे पर ही दांव खेलेगी। इस पैमाने पर छत्तीसगढ़ में गोमती साइ और अरुण साव पार्टी की जरूरत पर खरे उतरते हैं। महिला होने के नाते गोमती साइ को इस दौड़ में आगे माना जा रहा है। क्योंकि मोदी महिलाओं को आगे बढ़ाने की राजनीति कर रहे हैं और उन्हें चुनावों में इसका लाभ भी मिल रहा है।

उन्होंने महिलाओं को एक जाति के रूप में भी चित्रित करने की कोशिश की है। जिस तरह पार्टी की लाडली योजनाओं, महतारी वंदन योजना और महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा सफल हुआ है। मोदी महिलाओं के बीच अपनी स्वीकार्यता और बढ़ाने के लिए महिला मुख्यमंत्री देने का दांव भी खेल सकते हैं। छत्तीसगढ़ से किसी आदिवासी और महिला चेहरे को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावनाएं भी जताई जा रही है। इस पैमाने पर गोमती साई मोदी की पहली पसंद हो सकती हैं।

## गैर विधायक भी बन सकता है सीएम

इन सबसे इतर एक चर्चा ये भी चल रही है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में बीजेपी नए चेहरों व गैर-विधायक को मुख्यमंत्री के रूप में मौका दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इन तीनों राज्यों में गैर विधायक को भी मुख्यमंत्री बना सकती है। यहां गैर विधायक का मतलब ये है कि पार्टी किसी ऐसे नेता को भी सीएम बना सकती है जो फिलहाल विधायक नहीं हैं। वह सांसद या किसी और बड़े पद पर बैठे हैं। फिलहाल ये सब कयास हैं। नेताओं का लगातार भाजपा अध्यक्ष नड्डा से मिलना जारी है। यानि कुल जमा ये साफ है कि भाजपा के सामने सत्ता हासिल करने के बाद भी अब मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर एक बड़ी चुनौती खड़ी है। जिसका हल अभी तक पार्टी नहीं निकाल पा रही है। जाहिर है कि इन राज्यों में मुख्यमंत्री का चयन पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव को साधने के उद्देश्य से करेगी। ताकि उसको इसका लाभ 24 के लोकसभा चुनाव में भी मिले। यही वजह है कि भाजपा हर एक कदम काफी फूंक-फूंक कर रख रही है और अपने चयन में समय लगा रही है। लेकिन कुछ भी हो पार्टी के लिए इन तीन राज्यों में सीएम का चयन एक नया सिर दर्द तो बन ही गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# संसद में होनी चाहिए सकारात्मक बहस

**सत्र हंगामें की भेंट न चढ़े। आम तौर पर संसद का शीतकालीन सत्र इतने गर्म राजनीतिक माहौल में शुरू नहीं होता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोमवार को संसद भवन पहुंचने के बाद हलके-फुलके अंदाज में इस ओर संकेत किया, लेकिन अगर किसी को भी इस सत्र के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने का भ्रम रहा होगा तो वह पहले ही दिन दूर हो गया होगा।**

*आजकल संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। पांच राज्यों के चुनावी नतीजे के बाद भाजपा व विपक्ष आपसर वार-पलटवार जारी है। इन सबके बीच कई विधेयक पटल पर रखकर पास करवाए जा रहे हैं। एक ही चिंता है कि जनहित से जुड़े कानून पूरे बहस के साथ ही बनने चाहिए। इस लिए सतापक्ष व विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है की सकारात्मक तरीके से ही विधेयकों पर बहस हो। सत्र हंगामें की भेंट न चढ़े। आम तौर पर संसद का शीतकालीन सत्र इतने गर्म राजनीतिक माहौल में शुरू नहीं होता। लेकिन अगर किसी को भी इस सत्र के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने का भ्रम रहा होगा तो वह पहले ही दिन दूर हो गया होगा। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान यह साफ कर दिया कि सत्र के दौरान अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर की जाने वाली पोजिशनिंग ही निर्णायक साबित होगी।*

*जाहिर है, सत्ता पक्ष यह मानकर चल रहा है कि विपक्ष का रुख आक्रामक होगा। जन मसलों पर पहले से सत्ता पक्ष और विपक्ष में तलवारें खिंची हुई हैं, उनमें एक प्रमुख मुद्दा है तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा से जुड़ा कैश फॉर क्वेश्चन संबंधी आरोपों का। इस मामले में एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट संसद में पेश की जानी है, लेकिन वह पहले ही लीक हो चुकी है। इसमें कथित तौर पर की गई महुआ मोइत्रा को संसद से निष्कासित करने की सिफारिश पर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी स्पीकर को पत्र लिख चुके हैं कि ऐसा कदम उठाना सही नहीं होगा। तृणमूल कांग्रेस एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग कर रही है। करीब 18 दिन (4 से 22 दिसंबर तक) चलने वाले इस सत्र के दौरान सबकी नजरें विपक्षी दलों की आक्रामकता पर ही नहीं उनके आपसी तालमेल पर भी रहेगी। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि लोकसभा चुनावों से ठीक पहले हुए विधानसभा चुनावों में मिले प्रतिकूल नतीजों का कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के जोश पर कितना और कैसा प्रभाव पड़ा है। क्या इंडिया गठबंधन को कायम रखने और उसे आगे बढ़ाने को लेकर उनका संकल्प पहले जितना ही मजबूत है या उसमें किसी तरह की कमजोरी आई है? इस सत्र में पेश होने वाले बिलों की बात है तो मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा बिल ही नहीं इंडियन पीनल कोड, इंडियन एविडेंस एक्ट और क्रिमिनल प्रसीजर कोड की जगह लाए जाने वाले बिलों समेत करीब 21 विधेयक इस सत्र में पेश किए जाने हैं। बेहतर होगा आरोप-प्रत्यारोप और हंगामे-वॉकआउट, बहिष्कार वगैरह के बीच भी सत्ता पक्ष और विपक्ष इस बात की गुंजाइश बनाएं कि तमाम महत्वपूर्ण बिलों के अलग-अलग पहलुओं पर विस्तृत बातचीत और बहस जरूर हो ताकि संसद के मंच पर विपक्ष की असहमति ही नहीं, उसके विचार भी दर्ज हों।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# जन 'मन' की थाह न ले पाया कोई

हेमंत पाल

मध्य प्रदेश के चुनाव नतीजों ने उन सारे अनुमानों को पलट दिया, जो इस बार बीजेपी के सत्ता से बाहर जाने की संभावना जता रहे थे। नि:स्संदेह, परिणामों से खुद भाजपा भी अचरज में होगी! जनता के मन में जो था, वो भाजपा के अनुमानों से भी अलग निकला। मध्य प्रदेश में बीजेपी फिर सरकार बनाएगी, इस बात के आसार तो पार्टी को थे, पर उसके इस विश्वास में कहीं न कहीं शंका-कुशंका थी। नि:स्संदेह, 18 साल से ज्यादा लंबे शासनकाल में एंटी इंकम्बेंसी फैक्टर को भी सोचकर चला जा रहा था। बीजेपी के नेताओं को लगा कि जनता की खामोशी कहीं उनके खिलाफ न जाए! लेकिन जो नतीजे सामने आए और बीजेपी को जितनी सीटें मिलीं, वो उसके अनुमान से कहीं ज्यादा मानी जाएंगी। इसलिए कि बीजेपी को कांटाजोड़ मुकाबले में 130 से 135 सीटों का अनुमान था, पर आंकड़ा 160 से आगे तक पहुंच जाएगा, ये सोचा नहीं गया था।

वास्तव में जो हुआ, वो राजनीतिक जानकारों के लिए एक शोध का विषय हो सकता है कि इतने लंबे शासनकाल के बाद भी कोई पार्टी जनता के दिल में कैसे बसी हुई है! जबकि, पड़ोसी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मतदाताओं ने बाजी पलट दी। मध्य प्रदेश में सरकार वापसी के लिए पार्टी ने इस बार हरसंभव प्रयास किए। सबसे बड़ा प्रयोग यह था कि पार्टी के एक राष्ट्रीय महासचिव के अलावा सात सांसदों को भी चुनाव लड़ाया गया। इनमें अधिकांश वे सीटें थीं, जहां से बीजेपी पिछले दो या तीन चुनाव हारी थी। अधिकांश जगह बीजेपी की स्थिति इस बार भी बेहतर नहीं बताई गई थी। तभी यहां सांसदों को चुनाव लड़ाया गया और नतीजा अच्छा रहा। जहां सांसदों को मैदान में उतारा गया, उन जिलों में बीजेपी का प्रदर्शन बेहतर रहा। चुनाव की घोषणा से पहले 39 उम्मीदवारों की घोषणा करना भी बीजेपी की एक महत्वपूर्ण चुनाव रणनीति का हिस्सा रहा। लेकिन, फिर भी कहीं न कहीं पार्टी के मन में जीत को लेकर सवाल तो थे! राजनीतिक पंडित भाजपा की सीटों के कम होने व कांग्रेस की बढ़त के आकलन कर रहे थे।

अब सवाल यह कि एंटी इंकम्बेंसी फैक्टर का क्या हुआ? मतदाताओं में इतने साल बाद भी भरोसा क्यों रहा कि उसके लिए बीजेपी का ही सरकार में बने रहना जरूरी है। कह सकते हैं कि कांग्रेस सारी कोशिशों के बाद भी लोगों

का भरोसा नहीं जीत सकी। हकीकत तो यह है कि कांग्रेस की हार के लिए कोई और नहीं खुद कांग्रेस ही जिम्मेदार है। दरअसल, कांग्रेस सिर्फ भाजपा की गलतियों में ही अपनी जीत को ढूंढ़ने की कोशिश में थी। कांग्रेस के नेता हमेशा यही देखते रहे कि भाजपा कहां गलती कर रही है और उसे कैसे पटखनी दी जाए! खुद को आगे बढ़ाने या जनता का विश्वास जीतने के लिए उतने गंभीर प्रयास नहीं किए, जितने किए जाने चाहिए। जबकि, चुनाव जीतने के लिए प्रतिद्वंद्वी पार्टी को पीछे छोड़ने के अलावा खुद के आगे बढ़ने का माद्दा भी होना चाहिए, जो कांग्रेस नहीं कर सकी। कांग्रेस के पास भविष्य की जनहितकारी योजनाओं का कोई ठोस खाका भी नहीं था। यहां तक कि बीजेपी की 'लाड़ली बहना योजना' से मुकाबले के लिए कांग्रेस ने भी योजना की घोषणा की, पर वो विश्वास के धरातल पर खरी नहीं उतरी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ महीने पहले 'लाड़ली बहना योजना' की बड़ी घोषणा की थी। इस योजना ने प्रदेश में बीजेपी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह योजना एक तरह से 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हुई। साल भर पहले बीजेपी को ये अंदाजा हो गया था कि इस बार का चुनाव आसान नहीं है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने गरीब महिलाओं को हर महीने हजार रुपये देने की घोषणा की और इसे आगे बढ़ाकर तीन हजार करने का भरोसा दिलाया। इसका व्यापक असर हुआ। 'लाड़ली बहना योजना' ने न सिर्फ बीजेपी की स्थिति को संभाला, बल्कि आसमान फाड़ जीत भी दिला दी। शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं की एक सभा में मंच पर घुटनों के बल बैठकर इस योजना की घोषणा की थी।

इसमें बीजेपी ने प्रदेश की 1.32 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को पहले 1000 रुपये फिर 1250 रुपये महीने देना शुरू किया। यही नहीं, लाड़ली बहनों को घर देने तक का ऐलान किया। महिलाओं को फायदा होने का मतलब है कि परिवार को फायदा। इस योजना ने एक परिवार के औसतन 5 वोट पर असर डाला जो सीधे बीजेपी के खाते में गए। जबकि, पहले कहा जा रहा था कि बीजेपी जीत के प्रति आश्वस्त नहीं थी। लेकिन, बीजेपी को महिलाओं की इस योजना ने जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना के प्रचार के तरीके ने अपना अलग असर छोड़ा। इस बार चुनाव में कांग्रेस के पिछड़ने का एक सबसे बड़ा कारण यह भी रहा कि उसकी मध्य प्रदेश की राजनीति पूरी तरह दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर केंद्रित रह गई है।

# जीव-जंगल के संरक्षण से टलेंगी आपदाएं

प्रमोद भार्गव

मिचोंग चक्रवात आंध्र प्रदेश के बापटला जिले और तमिलनाडु के समुद्री तट से 90 से 110 किलोमीटर की हवाओं से टकराया और आगे बढ़ गया। लैंडफाल अर्थात तट से टकराने की प्राकृतिक प्रक्रिया के बाद यह कमजोर जरूर पड़ गया लेकिन एक दर्जन से ज्यादा मौतों और करोड़ों की संपत्ति के विनाश का कारण बन आगे बढ़ गया। आगे बढ़कर यह ओडिशा और पूर्वी तेलंगाना के दक्षिणी जिले में तेज हवाओं, आंधी और भीषण बारिश का पर्याय बन गया। इसकी तीव्रता के चलते करीब दस हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। नतीजतन आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कई जिलों में इस तूफान ने भारी तबाही मचाई है। हजारों पेड़ और बिजली के खंभे धराशायी हो गए। भारी बारिश के चलते नदियों, नहरों और तालाबों ने बाढ़ का रूप ले लिया, जिससे हजारों किमी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और हजारों एकड़ खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं।

चक्रवात से चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में हजारों घरों में पानी भर जाने से लोग फंस गए, जिन्हें बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टरों का इस्तेमाल किया गया। इन राज्यों के स्थानीय प्रशासन ने मौसम विभाग की चेतावनी के चलते तत्काल सैकड़ों पुनर्वास केंद्र स्थापित करके साठ हजार से अधिक लोगों के ठहरने का प्रबंध किया। चक्रवात के कारण 140 रेलें और 40 हवाई उड़ानें तत्काल रद्द कर दी गईं। मौसम विभाग की सटीक भविष्यवाणी और आपदा प्रबंधन के समन्वित प्रयासों के चलते मिचोंग चक्रवात ने बड़े क्षेत्र और बड़ी मात्रा में संपत्ति का तो विनाश किया, लेकिन ज्यादा जनहानि का कारण नहीं बन पाया। पशुओं की भी बहुत कम मौतें हुईं। इस परिप्रेक्ष्य में हमारी तमाम एजेंसियों ने आपदा से कुशलतापूर्वक सामना करके एक भरोसेमंद मिसाल पेश की है, जो सराहनीय व अनुकरणीय है। ताकतवर तूफान से बचने के लिए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और तेलंगाना को चार दिन पहले से ही सतर्क किया जा रहा था।

समाचार-पत्रों से लेकर टीवी और सोशल मीडिया इसकी घातकता लगातार जताते रहे। इससे राज्य और केंद्र सरकारों को समन्वय बनाए रखने और राहत दल संभावित संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाने में सुविधा रही। एनडीआरएफ ने राज्य सरकारों से विचार-विमर्श करके अपने बचाव दल सही समय पर तैनात कर दिए थे। कुदरत के इस कोप से मुकाबला करने की जो तैयारी व जीवटता इस बार देखी गई, इससे पहले बिपरजॉय तूफान के समय भी देखने में आई थी। सुखद है कि भारतीय मौसम विभाग द्वारा कुछ समय से चक्रवाती तूफानों के सिलसिले में की गईं भविष्यवाणियां सटीक बैठ रही हैं। इस बार हमारे मौसम विज्ञानी सुपर कंप्यूटर और डापलर राडार जैसी श्रेष्ठ तकनीक के माध्यमों से चक्रवात के अनुमानित और वास्तविक रास्ते का मानचित्र एवं उसके भिन्न क्षेत्रों में प्रभाव के चित्र बनाने में भी सफल रहे। तूफान की तीव्रता, तेज हवाओं एवं आंधी की गति और बारिश के अनुमान भी कमोबेश सही साबित हुए। इन अनुमानों को और कारगर बनाने की जरूरत है, जिससे बाढ़, सूखे और बवंडरों की पूर्व सूचनाएं मिल सकें और उनका सामना किया जा सके।

दरअसल, मौसम विभाग को ऐसी निगरानी प्रणालियां भी विकसित करने की जरूरत है, जिनके मार्फत हर माह और हफ्ते में बरसात होने की राज्य व जिलेबार भविष्यवाणियां की जा सकें। यदि ऐसा मुमकिन हो पाता है तो कृषि का बेहतर नियोजन संभव हो सकेगा, साथ ही अतिवृष्टि या अनावृष्टि के संभावित परिणामों से कारगर ढंग से निपटा जा सकेगा। किसान भी बारिश के अनुपात में फसलें बोने लग जाएंगे। लिहाजा कम या ज्यादा बारिश का नुकसान उठाने से किसान मुक्त हो जाएंगे। मौसम संबंधी उपकरणों के गुणवत्ता व दूरंदेशी होने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से समुद्रतटीय इलाकों में आबादी भी ज्यादा है और वे आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर भी हैं। लिहाजा समुद्री तूफानों का सबसे ज्यादा संकट इसी आबादी को झेलना होता है। कुदरत के रहस्यों की ज्यादातर जानकारी अभी अधूरी है। जाहिर है, चक्रवात जैसी आपदाओं को हम रोक नहीं सकते, लेकिन उनका सामना या उनके असर कम करने की दिशा में बहुत कुछ कर सकते हैं। भारत के तो तमाम इलाके वैसे भी बाढ़, सूखा, भूकंप और तूफानों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण के कारण ये खतरे और इनकी आवृत्ति और बढ़ गई है। कहा भी जा रहा है कि मिचोंग जैसी आपदाएं प्रकृति की बजाय आधुनिक मनुष्य और उसकी प्रकृति विरोधी विकास नीति का परिणाम हैं।

इस बाबत गौरतलब है कि 2005 में कैटरीना तूफान के समय अमेरिकी मौसम विभाग ने इस प्रकार के प्रलयंकारी समुद्री तूफान 2080 तक आने की आशंका जताई थी, लेकिन वह सैंडी और नीलम तूफानों के रूप में 2012 में ही आ धमके। इसके 10 साल पहले आए सुनामी ने ओडिशा के तटवर्ती इलाकों में जो कहर बरपाया था, उसके विनाश के चिन्ह अभी भी दिखाई दे जाते हैं। इसकी चपेट में आकर करीब 10 हजार लोग मारे गए थे। दरअसल, सुनामी से फूटी तबाही के बाद पर्यावरणविदों ने यह तथ्य रेखांकित किया था कि अगर मैंग्रोव वन बचे रहते तो तबाही कम होती। ओडिशा के तटवर्ती शहर जगतसिंहपुर में एक औद्योगिक परियोजना खड़ी करने के लिए एक लाख 70 हजार से भी ज्यादा मैंग्रोव वृक्ष काट डाले गए थे।

# सर्दियों में यहां बनाएं घूमने का प्लान

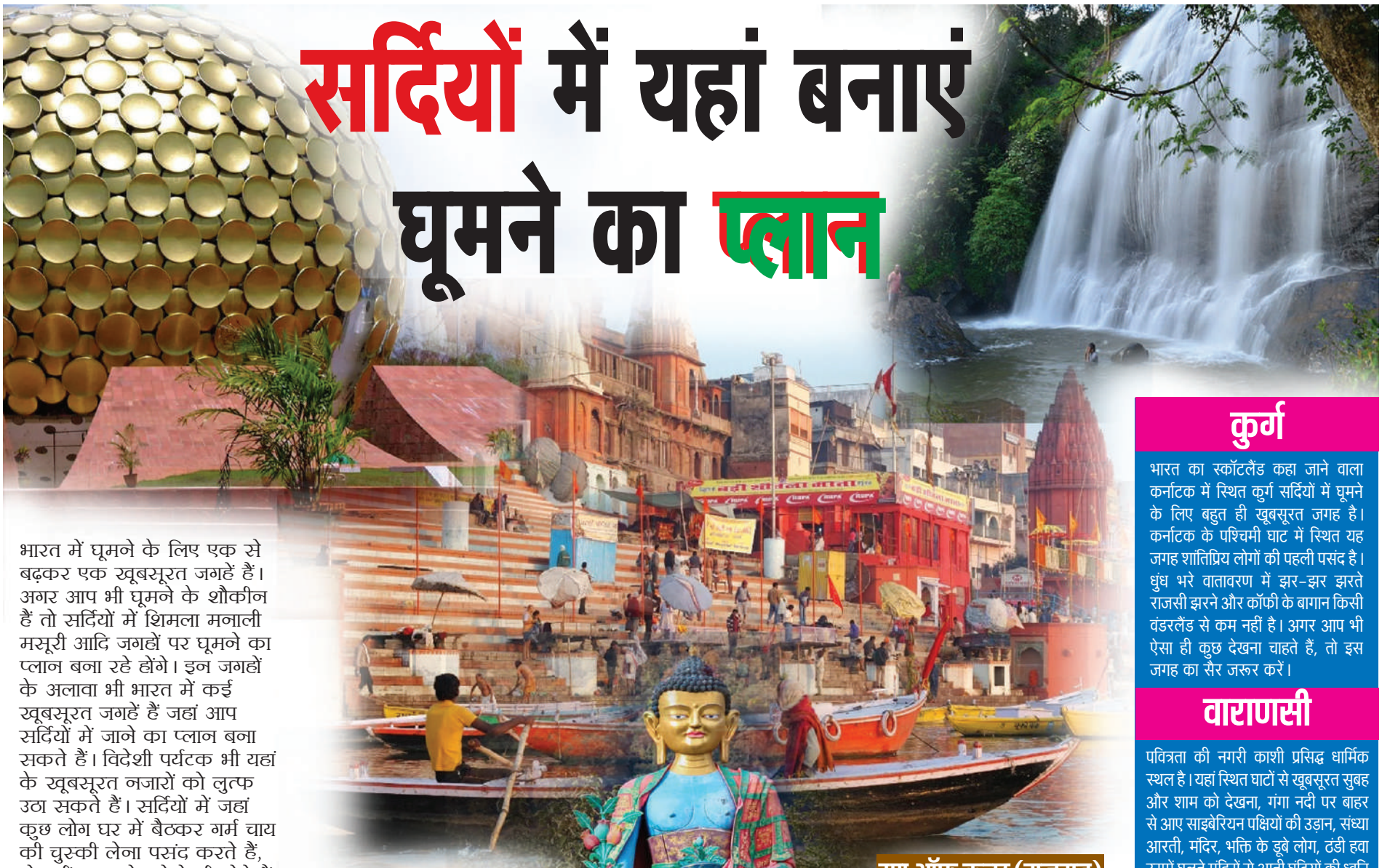

भारत में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत जगहें हैं। अगर आप भी घूमने के शौकीन हैं तो सर्दियों में शिमला मनाली मसूरी आदि जगहों पर घूमने का प्लान बना रहे होंगे। इन जगहों के अलावा भी भारत में कई खूबसूरत जगहें हैं जहां आप सर्दियों में जाने का प्लान बना सकते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां के खूबसूरत नजारों को लुत्फ उठा सकते हैं। सर्दियों में जहां कुछ लोग घर में बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेना पसंद करते हैं, तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो इस मौसम में प्रकृति की खूबसूरत वादियों का आनंद लेना चाहते हैं। अगर आप इस मौसम में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो इस मौसम में घूमने के शौकीन लोग हिमाचल प्रदेश से लेकर कन्याकुमारी तक बहुत सी खूबसूरत जगहों का दीदार कर सकते हैं। और घूमने का मजा ले सकते हैं।

## तवांग (अरूणाचल प्रदेश)

उत्तर पूर्वी भारत में स्थित तवांग तक पहुंचना जरा मुश्किल है, लेकिन एक बार यहां पहुंचने पर बर्फ से ढके खुबसूरत हिमालय, वहां के प्राचीन मठों और शानदार घाटियों को देखकर अपका वहां तक पहुंचने का प्रयास सफल होगा।

## रण ऑफ कच्छ (गुजरात)

रात के समय ठंड में रेत पर सैर करने का लुत्फ उठाना है, तो कच्छ का रुख जरूर करें। दो महीने तक चलने वाला सांस्कृतिक उत्सव जिसे कच्छ महोत्सव भी कहा जाता है। इसमें मिलने वाले पारंपरिक भोजन, रेगिस्तानी सफारी, हस्तशिल्पकारी के नमूने , फिल्मी सितारों को देखना आदि सभी बहुत ही मनमोहक होता है। ये महोत्सव विश्व प्रसिद्ध है।

## कुर्ग

भारत का स्कॉटलैंड कहा जाने वाला कर्नाटक में स्थित कुर्ग सर्दियों में घूमने के लिए बहुत ही खूबसूरत जगह है। कर्नाटक के पश्चिमी घाट में स्थित यह जगह शांतिप्रिय लोगों की पहली पसंद है। धुंध भरे वातावरण में झर-झर झरते राजसी झरने और कॉफी के बागान किसी वंडरलैंड से कम नहीं है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ देखना चाहते हैं, तो इस जगह का सैर जरूर करें।

## वाराणसी

पवित्रता की नगरी काशी प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यहां स्थित घाटों से खूबसूरत सुबह और शाम को देखना, गंगा नदी पर बाहर से आए साइबेरियन पक्षियों की उड़ान, संध्या आरती, मंदिर, भक्ति के डूबे लोग, ठंडी हवा उसमें घुलते मंदिरों से आती घंटियों की ध्वनि के साथ मधुर श्लोक मनमोहक होते हैं, जो तन और मन दोनों को तृप्ति देते हैं।

## पुडुचेरी

समुद्र तटीय पुडुचेरी शहर फ्रांसीसी शहर जैसा दिखता है। यहां के ऑस्टेरी झील पर देशी और प्रवासी पक्षियों को देखना बहुत ही सुकून भरा होता है। यहां फ्रांसीसी खाने से लेकर वॉटर स्पॉर्ट्स में हाथ आजमाने के लिए यहां जरूर जाएं।

## हंसना मना है

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद- अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हे देख कर दूध तो देती रहेगी।

गर्ल- क्या कर रहे हो? बॉय- मक्खियां मार रहा हुं, गर्ल- कितनी मारी? बॉय- 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल- कैसे मालुम? बॉय- क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी- रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति- चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहा करो।

संजू- पापा मुझे स्कुल छोड़ने आप क्यों आते हो? मेरे सभी दोस्तों को छोड़ने तो उनकी मम्मी आती है, पापा- बस इसीलिए बेटा।

## कहानी — गलत आदत

एक वक्त की बात है, बादशाह अकबर किसी एक बात को लेकर बहुत परेशान रहने लगे थे। जब दरबारियों ने उनसे पूछा, तो बादशाह बोले कि हमारे शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत पड़ गई है, कई कोशिश के बाद भी हम उनकी यह आदत छुड़ा नहीं पा रहे हैं।'बादशाह अकबर की परेशानी सुनकर किसी दरबारी ने उन्हें एक फकीर के बारे में बताया, जिसके पास हर मर्ज का इलाज था। फिर क्या था, बादशाह ने उस फकीर को दरबार में आने का निमंत्रण दिया। जब फकीर दरबार में आया, तो बादशाह अकबर ने उन्हें अपनी परेशानी के बारे में बताया। फकीर ने बादशाह की पूरी बात सुनकर परेशानी को दूर करने का वादा किया और एक हफ्ते का समय मांगा। जब एक हफ्ते के बाद फकीर दरबार में आया, तो उन्होंने शहजादे को अंगूठा चूसने की बुरी आदत के बारे में प्यार से समझाया और उसके नुकसान भी बताए। फकीर की बातों का शहजादे पर बहुत प्रभाव पड़ा और उसने अंगूठा न चूसने का वादा भी किया। सभी दरबारियों ने यह देखा, तो बादशाह से कहा कि जब यह काम इतना आसान था, तो फकीर ने इतना समय क्यों लिया। आखिर उसने क्यों दरबार का और आपका समय खराब किया।' बादशाह दरबारियों की बातों में आ गए और उन्होंने फकीर को दंड देने की ठान ली। सभी दरबारी बादशाह का समर्थन कर रहे थे, लेकिन बीरबल चुपचाप था। बीरबल को चुपचाप देख, अकबर ने पूछा कि तुम क्यों शांत हो बीरबल?' बीरबल ने कहा कि जहांपनाह गुस्ताखी माफ हो, लेकिन फकीर को सजा देने के स्थान पर उन्हें सम्मानित करना चाहिए और हमें उनसे सीखना चाहिए।' तब बादशाह ने गुस्से में कहा कि तुम हमारे फैसले के खिलाफ जा रहे हो। आखिर तुमने ऐसा सोच भी कैसे, जवाब दो।' तब बीरबल ने कहा कि महाराज पिछली बार जब फकीर दरबार में आए थे, तो उन्हें चूना खाने की बुरी आदत थी। आपकी बातों को सुनकर उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उन्होंने पहले अपनी इस गंदी आदत को छोड़ने का फैसला लिया फिर शहजादे की गंदी आदत छुड़ाई।'बीरबल की बात सुनकर दरबारियों और बादशाह अकबर को अपनी गलती का एहसास हुआ और सभी ने फकीर से क्षमा मांगकर उसे सम्मानित किया।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

**वृषभ** — नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रयास सफल रहेंगे।

**मिथुन** — नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा।

**कर्क** — काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। लेन-देन में सावधानी रखें।

**सिंह** — स्वयं के काम पर ध्यान दें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें।

**कन्या** — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी।

**तुला** — सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

**वृश्चिक** — तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है।

**धनु** — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी।

**मकर** — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

**कुम्भ** — व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी।

**मीन** — स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

# रणबीर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है : तृप्ति

बॉलीवुड | मसाला

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल बॉक्स ऑफिस पर दबदबा बनाए हुए है। रणबीर कपूर की इस फिल्म को दर्शकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। फिल्म में तृप्ति डिमरी के किरदार की भी खूब चर्चा हो रही है। लोग उनके अभिनय की खूब प्रशंसा कर रहे हैं। इस फिल्म में तृप्ति ने रणबीर के साथ जोया रियाज का किरदार निभाया है। हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में तृप्ति ने रणबीर के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया है। इसके अलावा अभिनेत्री ने भविष्य में फिर से रणबीर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है।

एक बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए कहा, हर कोई टैलेंटेड नहीं होता है। रणबीर जो कुछ भी करते हैं, उसमें पूरी तरह से ढल जाते हैं। उनकी कोई भी फिल्म की बात करें तो उसमें उन्होंने अपनी भूमिका को बखूबी अदा किया है। मुझे रणबीर की बर्फी फिल्म बेहद पसंद आई, जिसमें प्रियंका चोपड़ा और इलियाना डिक्रूज भी थीं। उन्होंने मूक के किरदार को बेहतरीन ढंग से निभाया है। बर्फी में एक सीन ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया था, जिसमें रणबीर अपना टूटा हुआ जूता दिखाते हैं।

अभिनेत्री से जब एनिमल में रणबीर कपूर के साथ काम करने को लेकर पूछा गया। इसका जवाब देते हुए तृप्ति ने कहा, रणबीर के साथ काम करके मैंने बहुत कुछ सीखा है। उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव बेहतरीन रहा है। फिल्म की रिलीज से पहले मैं ये सोच रही थी कि दर्शकों को हमारी केमिस्ट्री पसंद आएगी भी या नहीं। हम दोनों की केमेस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आई है, इसलिए मैं भविष्य में फिर से रणबीर कपूर के साथ काम करना चाहती हूं।

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है। फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म एक पिता और पुत्र के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एनिमल ने अब तक लगभग 312.96 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

# हॉलीवुड को बाय-बाय करेंगी एंजेलिना जोली

एंजेलिना जोली अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बनीं रहती हैं। कुछ समय पहले एक्ट्रेस के ब्रैड पिट से तलाक की खबरें सामने आई थी। अब बताया जा रहा है कि एंजेलिना जोली हॉलीवुड छोड़ने की तैयारी कर रही हैं।

एंजेलिना ने हाल ही में मीडिया से बातचीत की और खुलासा किया कि वह लॉस एंजिल्स से बाहर जाने की प्लैनिंग कर रही हैं। एलए छोड़ने का एक कारण एक्ट्रेस ने ये भी दिया कि वो ब्रैड पिट से हुए तलाक और फॅमिली को लेकर कानूनी लड़ाई है। उन्होंने कहा, मैं आज एक्ट्रेस नहीं होती। जब मैं अपने करियर की शुरुआत कर रही थी तब मुझे नहीं पता था कि मुझे इतना सब कुछ पब्लिक करना पड़ जाएगा। मैने इतने की उम्मिद नहीं की थी। क्योंकि मैं हॉलीवुड के इर्द-गिर्द पली-बढ़ी हूं, इसलिए मैं कभी भी इससे बहुत प्रभावित नहीं हुई। मैंने इसे कभी भी उतना जरुरी नहीं समझा। एलए छोड़ने के बारे में एक्ट्रेस ने आगे बताया, यह मेरे तलाक के बाद जो हुआ उसका हिस्सा है। एक्ट्रेस ने हॉलीवुड छोड़ने के कारण ब्रैड पिट से हुए तलाक को दिया है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मेरे तलाक के बाद की बात है जो हुआ उसका हिस्सा है। मैंने स्वतंत्र रूप से रहने और यात्रा करने की क्षमता खो दी थी। जब भी आगे पॉसीबल होगा मैं चली जाऊंगी। मैं काफी उथल-पुथल जगह पर पली-बढ़ी हूं। हॉलीवुड मेरे लिए कोई स्वस्थ जगह नहीं है। एंजेलिना ने यह भी कहा कि उनकी कोई सोशल लाइफ नहीं है। एक्ट्रेस ने यह भी कंफर्म किया कि वो इस समय किसी को भी डेट नहीं कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बच्चे ही उनके दोस्त हैं। एक्ट्रेस के निजी जिवन की बात करें तो जब वह 16 साल की थी और अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एंजेलिना के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 20 साल की उम्र तक हर तरह के ड्रग्स का सेवन कर लिया था।

बॉलीवुड | मन की बात

# मैंने 'आश्रम' करने की बात घर वालों से छुपाई थी : बॉबी

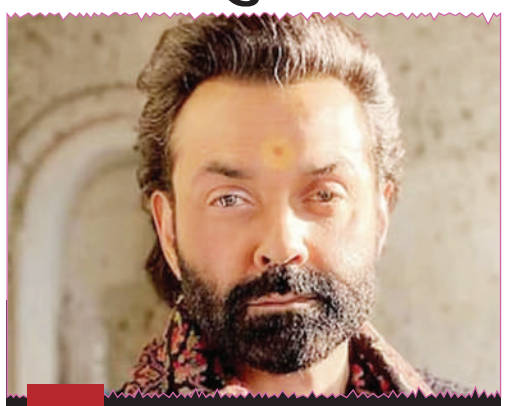

तमाम विवादों के बाद भी रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल दर्शकों के बीच अपनी अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रही है। फिल्म न सिर्फ एक ब्लॉकबस्टर बनने जा रही है, बल्कि इस फिल्म ने अभिनेता बॉबी देओल को युवा दर्शकों के बीच एक बार फिर लोकप्रिय कर दिया है। अभिनेता के चाहने वालों की संख्या हर दिन बढ़ती जा रही है। बॉबी देओल को सोशल मीडिया पर उनके फैंस लॉर्ड बॉबी के नाम से बुलाने लगे हैं, लेकिन आज से कुछ साल पहले बॉबी के ये हालात बिल्कुल अलग थे। न तो उनके पास फिल्में थीं और न ही वेब सीरीज। अब बॉबी ने अपने करियर के इस फेज के बारे में खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में अपने करियर के उस बुरे दौर को याद करते हुए अभिनेता बॉबी देओल बताते हैं कि, उन दिनों मैंने रेस-3, हाउसफुल-4 किया था, लेकिन मेरे अंदर के अभिनेता को संतुष्टि नहीं मिली थी। हां, उन फिल्मों से एक फायदा ये जरूर हुआ कि मुझे युवा दर्शक जानने लगे थे। वे पहचानने लगे कि बॉबी देओल भी कोई अभिनेता है। एनिमल की सफलता से गदगद अभिनेता बॉबी देओल ने आगे कहा, जब मैंने क्लास 83 किया तब जाकर लोगों को लगा कि मैं एक्टिंग भी कर सकता हूं। उसके बाद फिर मैंने प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम साइन की। आश्रम ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सुपर हिट साबित हुई थी लेकिन जब मैंने आश्रम करने का मन बनाया तब मैंने ये बात पापा, भईया और मां से छिपाया था। मुझे लग रहा था कि वे लोग मुझे इस सीरीज को करने से रोक देंगे। बता दें कि आश्रम में बॉबी देओल ने बाबा निराला का किरदार निभाया था। वेब सीरीज के बारे में आगे बात करते हुए अभिनेता बॉबी देओल कहते हैं, जिस तरह का किरदार बाबा निराला का था। मुझे लगा रहा था कि लोग इसे गलत न समझ लें। एक एक्टर के लिए ये अलग किस्म की लड़ाई जैसा था। मैं अगर अपने घरवालों से वेब सीरीज को लेकर चर्चा करता या अपने किरदार के बारे में बताता तो वे लोग मुझे इस सीरीज को करने की अनुमति नहीं देते।

# इस देश में बर्फ भूनकर बनता है स्नैक्स मिर्च-मसाले डालकर खा जाते हैं लोग

दुनिया में बहुत सी ऐसी जगहें हैं, जहां खाने-पीने के लिए लोग अजीबोगरीब चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ लोग वेजिटेरियन होते हैं, जो जानवरों का मांस नहीं खाते हैं तो कुछ लोग किसी भी तरह के जानवर का मीट खा लेते हैं। कुछ जगहों पर तो ऐसी-ऐसी चीजें खाई जाती हैं, जिनकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। खासतौर पर अगर चीन की बात करें, तो यहां कोई कुछ भी खा सकता है।

चीन में एक अलग ही किस्म का फूड ट्रेंड भी है, जो शायद ही आपने कभी पहले सुना होगा। हम जिस बर्फ क्यूब को शरबत में डालते हैं, उसे यहां स्नैक्स के तौर पर खाया जाता है, वो भी मिर्च-मसाले डालकर। वैसे ये चीन में ही पॉसिबल है क्योंकि यहां तो पत्थरों को भी मसाले के साथ फाई करके लोगों को परोस दिया जाता है। ये स्नैक्स अपने आपमें बिल्कुल अलग है, ऐसे में इसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। चाइनीज स्ट्रीट स्नैक्स ग्रिल्ड आईस क्यूब्स के बारे में शायद ही आपको पता होगा। पहले बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़ों को बार्बीक्यू पर डालकर बाकायदा भूना जाता है और उनके ऊपर सॉस और मसाले डाले जाते हैं। तेजी से पिघलते बर्फ पर तेल लगाया जाता है और फिर मिर्च, जीरा और दूसरे मसाले डाले जाते हैं, फिर सॉस और तिल के दाने डालकर इसे गार्निश किया जाता है। इसे कस्टमर स्पाइसी और इंट्रेस्टिंग कहते हैं। खासतौर पर नॉर्थईस्ट चीन में मिलने वाली इस डिश को कस्टमर्स 170 रुपये प्लेट के रेट पर दिया जाता है। एक पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ निवासी तो ये भी कहते हैं कि ऐसी कोई डिश यहां नहीं होती है, बल्कि इसे वेंडर्स ने खुद ही तैयार किया है। बताया जाता है कि साल 2021 में पहली बार आइस फेस्टिवल में इसे बनाया गया था। चूंकि बर्फ तेजी से पिघलती है, ऐसे में इस डिश में बड़ी-बड़ी बर्फ डाली जाती है और सीजनिंग के बाद परोसा जाता है।

अजब-गजब | माता का यह मंदिर है बड़ा अनोखा

# यहां हथौड़ा मारकर किया जाता है मरीजों का इलाज

आपने कई विभिन्न मंदिरों के बनावट और उनकी मान्यताओं के बारे में सुना होगा। लेकिन आज हम आपको गाजियाबाद के एक ऐसे मंदिर के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जहां भक्तों को प्रसाद नहीं बल्कि हाथौड़े की मार दिया जाता है। जी, हां ये मंदिर है गाजियाबाद का मशहूर माता केसरी मंदिर है, जहां शाम होते ही भक्तों का तांता लगने लगता है। काफी संकरी गलियों से होते हुए भक्त मंदिर तक पहुंचते हैं। माता के जयकारों से पूरी गली गूँज उठती है। ऐसे लोग जिनको पेट की परेशानी रहती उन्हें माता जी के यहां लाते हैं और यह झाड़ा लगाया जाता है।

मंदिर के महंत मुकेश नारायण ने बताया कि झाड़ा लगाने के 5-6 दिन में मरीज ठीक हो जाता है। ये परम्परा मंदिर में कई वर्षो से चलती आ रही है। ज्यादातर ऐसे भक्त इस मंदिर में आते है जिनपर डॉक्टर की दवाई काम नहीं करती। उनको होम्योपैथिक दवा देने के साथ ही झाड़ा लगाया जाता है। कुछ ऐसे लोग होते है जिनको पेट की काफी परेशानी रहती है। ऐसे लोगों के पांव में हथौड़ा मारकर ठीक किया जाता है। भक्तों में मान्यता है कि झाड़ा लगाने से बीमारी धीरे-धीरे अपना प्रभाव कम कर देती है।

कमाल की बात ये है की भक्त हथौड़े की मार से परहेज नहीं कर रहें थे। बल्कि लाइन में लग कर अपनी बारी का इंतजार कर रहें थे। वहीं कुछ भक्त माता का झाड़ा भी लगा रहे थे। ऐसी ही एक भक्त मंजू ने बताया कि कई वर्षो से यहां पर झाड़ा लगाने के लिए आ रही है। उनको हाथ-पांव में दर्द की शिकायत रहती थी। ऐसे में यहां झाड़ा लगाने के बाद काफी आराम मिलने लगा है। माता रानी का झाड़ा भक्तो को निःशुल्क लगाया जाता है। हथोड़े को पांव में अभिमंत्रित करके मारा जाता है जिसके बाद शरीर में काफी आराम मिलता है।

## संक्षिप्त खबरें

### गोगामेड़ी के हत्यारों की सूचना देने पर मिलेगा 5-5 लाख रुपये का इनाम

**जयपुर।** श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या मामले में जहां एक आरोपी की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं दो आरोपी फरार हो गए। ये आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। अब महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा के निर्देश पर गोगामेड़ी हत्याकांड के दो आरोपियों पर सर्वाधिक पांच-पांच लाख रुपए का इनाम घोषित किया। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी किए गए हैं। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, अभियुक्त रोहित सिंह राठौड़, नागौर हाल चांद बिहारी और नितिन फौजी के विरुद्ध कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी अपनी अपनी पहचान छुपाते हुए फरार चल रहे हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए आस-पास के जिलों और राज्यों में सम्भावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन फरार अभियुक्तों का अभी तक कोई पता नहीं चला है। पुलिस का कहना है कि जो कोई भी इन दोनों अभियुक्तों के बारे में सही सूचना देगा, उसे प्रत्येक के लिए नगद 5 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

### भाजपा सांसद बिधूड़ी ने बसपा सांसद दानिश अली से मांगी माफी

**नई दिल्ली।** बसपा सांसद दानिश अली पर विवादित टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने माफी मांगी है। बीजेपी सांसद ने कहा कि दानिश अली के खिलाफ उनकी टिप्पणी के लिए राजनाथ सिंह ने खेद प्रकट किया है। बिधूड़ी ने संसदीय समिति से कहा कि उन्हें भी इस पर खेद है। बता दें कि लोकसभा में बोलते हुए रमेश बिधूड़ी ने बसपा सांसद दानिश अली पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद राजनीति गरमा गई थी। लोकसभा स्पीकर ने बाद में रमेश बिधूड़ी के शब्दों को कार्यवाही से हटा दिया था। रमेश बिधूड़ी की टिप्पणी के लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेताओं ने जमकर हंगामा किया और बिधूड़ी निलंबन करने की मांग की थी। विवादित टिप्पणी के बाद सांसद दानिश अली और बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी विवाद पर लोकसभा की विशेषाधिकार समिति की बैठक हुई थी। जिसमें दोनों ही सांसदों ने विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होकर अपने ऊपर लगे आरोपों पर अपना पक्ष रखा था। संसद के विशेष सत्र में चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर चर्चा के दौरान बीजेपी सांसद रमेश बिधूड़ी ने 21 सितंबर को दानिश अली के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया था।

### पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, लखनऊ कमिश्नरेट के 10 इंस्पेक्टर का तबादला

**लखनऊ।** यूपी में एक बार फिर तबादलों की गाड़ी दौड़ी है। आईएएस के बाद अब पुलिस विभाग में भी बड़ा फेरबदल हुआ है। कमिश्नरेट लखनऊ के थानों पर तैनाती में पहली बार बड़ा बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर ने 10 थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव कर दिया। साथ ही तीन सब इंस्पेक्टर को थानाध्यक्ष बनाया गया है। इनमें नगराम, विकासनगर और निगोहां थाने शामिल है। इसके अलावा विभूतिखंड इंस्पेक्टर अनिल कुमार, बीबीडी इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह और निगोहां इंस्पेक्टर विनोद कुमार यादव को पुलिसलाइन भेज दिया। इंस्पेक्टर अनिल कुमार का गैर जिले तबादला हो चुका है, इसलिये उन्हें हटाया गया है। इस फेरबदल में पारा के इंस्पेक्टर श्रीकांत राय को ठाकुरगंज इंस्पेक्टर, ठाकुरगंज कोतवाली में तैनात विकास राय को इंस्पेक्टर गाजीपुर, गाजीपुर इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह को विभूतिखंड इंस्पेक्टर बनाया गया है। जबकि अलीगंज इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय को इंस्पेक्टर चौक, नगराम इंस्पेक्टर विनोद तिवारी को इंस्पेक्टर अलीगंज, सआदतगंज इंस्पेक्टर अंजनी मिश्र को सुशांत गोल्फ सिटी का प्रभारी, काकोरी थाना प्रभारी प्रवीण सिंह को सआदतगंज प्रभारी, विकासनगर थाना प्रभारी वीरेन्द्र त्रिपाठी को मोहनलालगंज प्रभारी, मोहनलालगंज थाना प्रभारी संतोष कुमार आर्य को बाजारखाला कोतवाल, बाजारखाला इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह को बीबीडी कोतवाली का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह इंस्पेक्टर बृजेश वर्मा को पारा इंस्पेक्टर, नवाब अहमद को काकोरी इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर सुरेश सिंह को मलिहाबाद कोतवाली का नया इंस्पेक्टर बनाया गया है। वहीं सब इंस्पेक्टर विवेक चौधरी को नगराम थानाध्यक्ष, सब इंस्पेक्टर विपिन सिंह को विकासनगर थानाध्यक्ष और एसआई अनुज कुमार तिवारी को निगोहां थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

### कच्छ में महसूस हुए भूकंप के झटके, कर्नाटक में भी कांपी धरती

**नई दिल्ली।** गुजरात के कच्छ में शुक्रवार की सुबह नौ बजे के करीब भूकंप के झटके महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉल सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार रेक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 दर्ज की गई है। कच्छ के अलावा कर्नाटक के विजयपुर जिले में 3.1 की तीव्रता से भूकंप आया। एनसीएस की डेटा के अनुसार शुक्रवार की सुबह 6:52 बजे क्षेत्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके 10 किमी की गहराई पर आया। शुक्रवार की सुबह 3.8 की तीव्रता से मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग और उससे जुड़े क्षेत्रों में भुकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं दी गई है। भूकंप के झटके शहर के दक्षिण-पश्चिम में मॉफलांग इलाके में 14 किमी. की गहराई पर आया।

## कांग्रेस सांसद अधीर रंजन ने सीएम ऐलान में देरी पर कसा तंज, कहा-

# भाजपा में चल रहा अंदरूनी लफड़ा

### » बोले- हमने तुरंत बनाया तेलंगाना में अपना सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली।** तीन अहम राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद भी भाजपा अब तक इन राज्यों में अपने मुख्यमंत्री का ऐलान नहीं कर पाई है। तीनों ही राज्यों में सीएम को लेकर कई उम्मीदवारों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन अभी तक पार्टी के भीतर सीएम चेहरे को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। अब भाजपा की इस परेशानी को लेकर कांग्रेस ने भी उस पर हमला बोलना और तंज कसना शुरू कर दिया है। इस बीच अब कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी के भीतर अंदरूनी लफड़ा चल रहा है, जिसकी वजह से अब तक सीएम का ऐलान नहीं हुआ है।

दूसरी ओर, कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत हासिल करने के बाद तुरंत सीएम का ऐलान कर दिया। राज्य में पार्टी को जीत दिलाने वाले स्टेट कांग्रेस चीफ रेवंत रेड्डी को तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनाया गया है। इस बार कांग्रेस ने बिना देर किए तुरंत सीएम का ऐलान कर दिया। हालांकि, बीजेपी के बीच सीएम पद संभालने को लेकर अभी बैठकों का ही दौर चल रहा है। सबसे ज्यादा पेंच राजस्थान और मध्य प्रदेश के लेकर फंसा हुआ है।

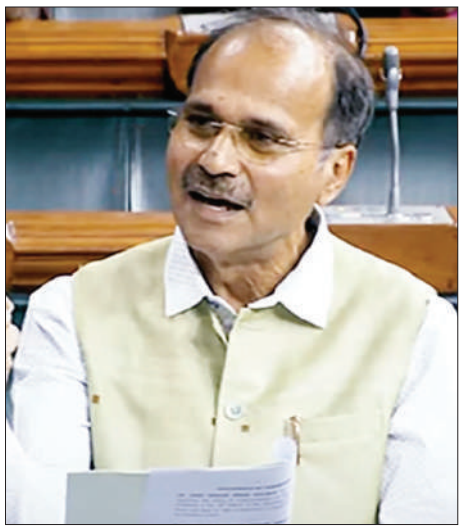

इस दौरान जब कांग्रेस नेता से सवाल हुआ कि बीजेपी अभी तक तीन राज्यों में मुख्यमंत्री चेहरे का ऐलान नहीं कर पाई है। इसके जवाब में अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि बीजेपी बहुत जोर-शोर से कहती थी कि हमारी पार्टी में बहुत ज्यादा अनुशासन है। जिस नेता से जो कहा जाता है, वह उसका पालन करता है। मुझे लगता है कि अब वो नहीं हो पा रहा है। तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यमंत्री ने आज शपथ ले लिया है। मगर अभी तक बीजेपी का एक भी मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है।

**पार्टी में नहीं हो रहा अनुशासन का पालन**

### कुछ लोगों को मुख्यमंत्री नहीं बनने देना चाह रही बीजेपी

जब उनसे पूछा गया कि आखिर किस वजह से बीजेपी अभी तक मुख्यमंत्री का ऐलान नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि ये दिखाता है कि बीजेपी के भीतर अंदरूनी लफड़ा काफी तेज है। बीजेपी को जहां-जहां जीत मिली है, वहां पार्टी के भीतर अंदरूनी लफड़ा तेज हो रहा है। ये लफड़ा काफी तीखा होता जा रहा है। कुछ लोगों को मुख्यमंत्री नहीं बनने देने की भी कोशिश हो रही है। इस तरह के चक्करों के बिना बीजेपी में कोई काम नहीं होता है।

## सीएम बनते ही एक्शन में रेड्डी

### आवास के बाहर से हटवाए बैरिकेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**हैदराबाद।** मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही तेलंगाना के नए नवेले सीएम रेवंत रेड्डी एक्शन में नजर आए। उन्होंने शपथ ग्रहण करने के कुछ ही मिनटों बाद अपना एक वादा पूरा किया। शपथ लेने के बाद ही उन्होंने अपने आधिकारिक आवास के बाहर लगे लोहे के बैरिकेड हटा दिए। रेवंत रेड्डी ने चुनावी अभियान के दौरान ही जनता से कहा था कि राज्य में कांग्रेस की सरकार आते ही वह सीएम आवास के बाहर से बैरिकेड हटा देंगे। उन्होंने कहा कि जनता के लिए सीएम कार्यालय हमेशा खुले रहेंगे। इसके साथ ही उनके आधिकारिक आवास के बाहर लोहे के रॉड हटाने शुरू हो गए।

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही रेवंत रेड्डी ने समारोह के मंच पर ही दो फाइलों पर हस्ताक्षर किए। इसमें पहली फाइल छह गारंटियों को लागू करने की है, जबकि दूसरी फाइल एक दिव्यांग महिला को नौकरी प्रदान करने की है। उन्होंने समारोह स्थल पर महिलाओं से मुलाकात भी की। कांग्रेस ने घोषणापत्र में महिलाओं के लिए हर माह 2,500 रुपये, 500 रुपये में गैस सिलिंडर, बसों में मुफ्त सफर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और दस लाख तक स्वास्थ्य बीमा देने का वादा किया था। सीएम बनते ही रेड्डी ने इन गारंटियों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

**होगा राज्य का विकास**

शपथ के बाद रेवंत ने पदभार संभालते हुए कहा कि अब पूरे राज्य का विकास होगा। विधायक एन उत्तम कुमार रेड्डी, के वेंकट रेड्डी, सी दामोदर राजनरसिम्हा, डी. श्रीधर बाबू, पी श्रीनिवास रेड्डी, पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा, डी अनुसूया, टी. नागेश्वर राव व जे कृष्ण राव मंत्री बने हैं। राज्य में सीएम समेत 18 मंत्री हो सकते हैं।

# मोदी की गारंटी पर है लोगों को भरोसा: सम्राट चौधरी

### » बीजेपी बिहार अध्यक्ष बोले- सभी वर्गों ने बता दिया वो लालू-नीतीश से दूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना।** राजधानी पटना में भाजपा ने 'अंबेडकर समागम' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी वर्गों ने बता दिया है कि वो नीतीश कुमार-लालू यादव से दूर हो चुके हैं। आरक्षण विरोधी अंबेडकर विरोधी जेडीयू और आरजेडी है। नरेंद्र मोदी की गारंटी पर बिहार के लोगों को भरोसा है। पंडित नेहरू ने देश के कानून को बदला। 370 धारा को मोदी ने हटा कर संविधान को सही किया है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव भाजपा के सूपड़ा साफ होने की बात करते हैं। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से पहले भी उन्होंने यह बात कही थी। लालू यादव को वहां की जनता ने जवाब दे दिया है। पांच राज्यों के चुनाव में जेडीयू पार्टी भी गई थी। जेडीयू पार्टी को जो वोट मिला वह पंचायत प्रतिनिधि को चुनाव में मिलने वाले वोट से भी कम है। जेडीयू पार्टी का अस्तित्व पंचायत प्रतिनिधि चुनाव से भी काम हो गया है।

**वोटरों को साधने की तैयारी**

बता दें कि बिहार में जातीय गणना के बाद अब राजनीतिक दलों द्वारा जाति आधारित मतदाताओं को रिझाने की तैयारी शुरू हो गई। जेडीयू ने पिछले दिनों 'भीम संवाद' का आयोजन किया था, तो अब बीजेपी ने 'अंबेडकर समागम' कार्यक्रम का आयोजन किया। बीजेपी इस कार्यक्रम को लेकर कई दिनों से तैयारी कर रही थी। बीजेपी द्वारा शक्ति प्रदर्शन के साथ ही दलित वोट बैंक को साधने की पूरी प्लानिंग थी, लेकिन मौसम ने दगा दे दिया। पटना में तेज बारिश के कारण बीजेपी के अंबेडकर समागम के दौरान कुर्सियां खाली दिखीं और कार्यकर्ता इधर-उधर बारिश से छुपते नजर आए।

# बांग्लादेशी अप्रवासियों को नागरिकता देने का डेटा उपलब्ध कराए केंद्र: सुप्रीम कोर्ट

### » शीर्ष अदालत ने जनवरी 1966 से 25 मार्च, 1971 की अवधि का मांगा डेटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली।** सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र की मोदी सरकार से असम में भारतीय नागरिकता पाने वाले बांग्लादेशी अप्रवासियों के बारे में डेटा उपलब्ध कराने को कहा है। केंद्र सरकार को यह निर्देश मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने दिया। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने यह निर्देश असम में अवैध अप्रवासियों से संबंधित नागरिकता अधिनियम की धारा 6 ए की संवैधानिक वैधता की जांच करने के लिए 17 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। धारा 6ए को असम समझौते पर हस्ताक्षर के बाद कानून में पेश किया गया था।

**कोर्ट ने मांगी ये जानकारियां**

पीठ ने कहा कि हमारा विचार है कि केंद्र सरकार के लिए अदालत को डेटा-आधारित खुलासे प्रदान करना आवश्यक होगा। हम निर्देश देते हैं कि सोमवार को या उससे पहले इस अदालत में इस संबंध में एक हलफनामा दायर किया जाए। शीर्ष अदालत ने केंद्र को यह भी निर्देश दिया कि वह पूर्वोत्तर राज्यों विशेषकर असम में अवैध आप्रवासन से निपटने के लिए प्रशासनिक स्तर पर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दे। इसके अलावा, सरकार को बॉर्डर पर बाड़ लगाने की सीमा और बाड़ लगाने को पूरा करने की अनुमानित समयसीमा के संबंध में विवरण प्रस्तुत करना होगा। कोर्ट ने कहा कि केंद्र बताए कि इस अवधि के संदर्भ में विदेशी न्यायाधिकरण आदेश 1964 के तहत कितने व्यक्तियों के विदेशी होने का पता चला है? साथ ही 25 मार्च 1971 के बाद प्रवेश करने वाले व्यक्तियों के संबंध में- केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित विदेशी न्यायाधिकरणों की कुल संख्या, निपटाए गए मामलों की कुल संख्या, आज तक लंबित मामलों की संख्या, मामलों के निपटान के लिए लिया गया औसत समय, गौहाटी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामलों की संख्या भी केंद्र सरकार बताए।

**सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से इस बारे में 11 दिसंबर तक हलफनामा दाखिल करने को कहा कि एक जनवरी, 1966 से 25 मार्च, 1971 के दौरान असम में कितने लोगों को भारतीय नागरिकता दी गई। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र से कहा कि वह भारत, खासकर पूर्वोतर में अवैध प्रवासन से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दे।**

# अब इन दिग्गजों पर सीएम चुनने की जिम्मेदारी

## भाजपा ने एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के लिए किया पर्यवेक्षकों का ऐलान, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और हरियाणा के सीएम खट्टर के नाम भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता हासिल करने के 5 दिन बाद भी भारतीय जनता पार्टी इन राज्यों में मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान नहीं कर पा रही है। जबकि पार्टी के पास एक नहीं बल्कि कई उम्मीदवार हैं। लेकिन पार्टी ये तय नहीं कर पा रही है कि किसे मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी जाए। परेशानी बढ़ती देख अब भाजपा ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए अपने पर्यवेक्षकों का ऐलान कर दिया है।

भाजपा ने इन तीनों ही राज्यों के लिए पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडेय को राजस्थान का पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं, हरियाणा सीएम मनोहर लाल खट्टर, के. लक्ष्मण, आशा लकड़ा को मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि छत्तीसगढ़ के लिए अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम को चुना गया है। ये पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में विधायकों की राय लेंगे। ऐसे में अब ये उम्मीद जताई जा रही है कि बीजेपी आलाकमान की मुहर के बाद रविवार तक मुख्यमंत्री के नामों का ऐलान हो सकता है।

भाजपा ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में प्रचंड जीत हासिल की। इन राज्यों में कांग्रेस को करारी हार मिली। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव से पहले हिंदी पट्टी में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इस जीत को बीजेपी के लिए अहम माना जा रहा है।

### भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना सीएम के नाम का ऐलान

बीजेपी ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ा था। पार्टी ने पीएम मोदी के चेहरे और सामूहिक नेतृत्व के दम पर तीनों राज्यों में जीत हासिल की। ऐसे में बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री चेहरे का चुनाव करना है। बीजेपी आलाकमान न सिर्फ इन चेहरों के दम पर 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सभी समीकरण साधने की कोशिश में है, बल्कि स्थानीय बगावत को भी रोकना चाहता है। मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर बीजेपी का मंथन जारी है। बीजेपी के 11 सांसदों ने संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, इन सभी ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की है। इन सांसदों में कई तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री की रेस में शामिल हैं।

### सीएम की रेस में शामिल हैं ये नाम

तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री के लिए कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें राजस्थान से वसुंधरा राजे, सांसद दिया कुमारी, ओम बिरला, भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत और बाबा बालकनाथ के नाम सीएम रेस में हैं। जबकि कल से रेल मंत्री अश्वनि वैष्णव का नाम भी तेजी से आगे आया है। वहीं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कई नाम सीएम की रेस में हैं। तो वहीं छत्तीसगढ़ में रमन सिंह, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, रेणुका सिंह और ओपी चौधरी के नाम सीएम रेस में हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### चौक में मानकों के विपरीत बन रहा कॉम्प्लेक्स, सीएम पोर्टल पर हुई शिकायत

**लखनऊ।** एलडीए की ओर से अवैध निर्माणों को चिन्हित करने के साथ-साथ उनके खिलाफ ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जा रही है।

वहीं नक्खास में मानकों के विपरित कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। जिसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की गई है। लेकिन एलडीए के जिम्मेदार अधिकारी शिकायत को अनदेखा कर बिल्डिंग का काम तेजी से जारी है। शिकायत में कहा गया है कि चौक में नजीर बिल्डिंग, खोकी टोला न्यू नक्खास मार्केट विक्टोरिया स्ट्रीट में विकास प्राधिकरण की अनुज्ञा लिए बगैर अवैध तरह से मल्टीस्टोरी कमर्शियल काम्प्लेक्स निर्माण का कराया जा रहा है। वहीं मानकों के विपरित बन रहे कमर्शियल काम्प्लेक्स के विरुद्ध मुकदमा विचाराधीन है।

### केंद्र सरकार ने प्याज के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

**नई दिल्ली।** देश में खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और इन पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का बड़ा फैसला किया है। साथ ही चीनी की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए गन्ने के रस के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया दिया गया है। इसके तहत अब साल 2023-24 में चीनी मिलें इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने के रस या सिरप का उपयोग नहीं करती हैं। सरकार के इस फैसले से जहां खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आएगी तो वहीं घरेलू मार्केट में उनकी उपलब्धता भी बढ़ेगी। सरकार का यह फैसला कई मायनों में काफी अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, साथ ही केंद्र सरकार की ओर से भारतीय खाद्य निगम को अब हर सप्ताह 4 लाख टन गेहूं बेचने की मंजूरी दी जा सकती है, जोकि वर्तमान समय में सिर्फ 3 लाख टन ही है। अगर खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होंगी तो महंगाई (मुद्रास्फीति) घटकर 4 महीने के निचले स्तर 5 प्रतिशत से कम होने की उम्मीद है। इस समय देश में प्याज की कीमतें सातवें आसमान पर हैं। इस वक्त भारतीय मार्केट में प्याज के दाम 50 से 60 रुपये प्रति किलो हैं। ऐसे में प्याज के निर्यात से यहां दामों में काफी असर पड़ता है। सरकार ने प्याज की कीमतों को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सूत्रों के कहना है कि इस साल सरकार ने चीनी के कम उत्पादन को देखते हुए इथेनॉल के लिए गन्ने के रस के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

### एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर रखा बरकरार

**नई दिल्ली।** आरबीआई एमपीसी ने एक बार फिर रेपो रेटो को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। एमपीसी की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती दिखाई है। बैंकों के बैलेंस शीट में मजबूती दिखी है। केंद्रीय बैंक की एमपीसी ने रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, इसके फलस्वरूप स्थायी जमा सुविधा दर 6.25त और सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा बैंक दर 6.75त पर बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने एफवाई24 में जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी जारी है। लागत खर्च में कमी से विनिर्माण क्षेत्र में मजबूती आई है। सरकारी खर्चे से निवेश के रफ्तार में आई तेजी है। एग्रो क्रेडिट में ग्रोथ से रिकवरी बेहतर होने का अनुमान है। एमपीसी के छह में पांच स्थर अकोमोडेटिव रुख वापस लेने के पक्ष में। सभी सदस्यों ने रेपो रेट को स्थिर रखने पर सहमति जताई।

## दिल्ली शराब घोटाले में गिरफ्तार बेनॉय बाबू को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में पेरनोड रिकार्ड इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी को जमानत दे दी। शराब नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से दायर मामले में वरिष्ठ अधिकारी की गिरफ्तारी हुई थी। पेरनोड रिकार्ड दुनिया की सबसे बड़ी शराब निर्माता कंपनियों में से एक है। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी के रिजनल मैनेजर बेनॉय बाबू को जमानत दी है।

ईडी ने दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज किया है। इस मामले में बेनॉय बाबू के अलावा आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह का भी नाम शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि मामले में सुनवाई शुरू नहीं हुई है और आरोप तय नहीं हुए हैं। अदालत ने इस बात को ध्यान में रखते हुए जमानत दे दी कि वह 13 महीने से सलाखों के पीछे है। कोर्ट ने ये भी कहा कि ईडी इतने लंबे समय तक लोगों को हिरासत में नहीं रख सकती है।

## बीजेपी के आठ सांसदों को 30 दिन में बंगला खाली करने का मिला निर्देश

### लोकसभा की आवास समिति ने दिया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधायक का चुनाव जीतने के बाद संसद सदस्यता से इस्तीफा देने वाले भाजपा सांसदों को दिल्ली के उनके सरकारी आवासों को खाली करने का नोटिस दे दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा सांसद सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता वाली लोक सभा की आवास समिति ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल और पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सहित संसद से इस्तीफा देने वाले सभी सांसदों को नियमों के मुताबिक दिल्ली के सरकारी घरों को खाली करने का नोटिस दे दिया है।

लोकसभा की आवास समिति ने नियमों के मुताबिक इन्हें 30 दिन के भीतर सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया है। तीनों पूर्व केंद्रीय मंत्रियों के अलावा संसद सदस्यता से इस्तीफा देने वाले राव उदय प्रताप, राकेश सिंह, रीति पाठक, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी, महंत बालकनाथ, अरुण साव और गोमती साय को भी सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है।

मालूम हो कि इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कल गुरुवार देर रात केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और रेणुका सिंह का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इन तीनों मंत्रियों ने हाल में विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की थी। इस्तीफा स्वीकार किए जाने के साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा को कृषि मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया।

## 21वीं सदी का यह तीसरा दशक उत्तराखंड का है: पीएम मोदी

### प्रधानमंत्री ने दो दिवसीय उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का किया उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दो दिवसीय उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में आकर मन धन्य हो जाता है। कुछ वर्ष पहले जब मैं बाबा केदार के दर्शन के लिए निकला था अचानक मेरे मुंह से निकला था की 21वीं सदी का यह तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है।**

उन्होंने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि अपने इस कथन को मैं लगातार चरितार्थ होते हुए देख रहा हूं। आप सभी को भी इस गौरव से जुड़ने के लिए उत्तराखंड के विकास यात्रा

से जुड़ने का बहुत बड़ा अफसर मिल रहा है। पिछले दिनों उत्तरकाशी में टनल से हमारे श्रमिक भाइयों को सुरक्षित निकालने का जो सफल अभियान चला उसके लिए राज्य सरकार समेत सभी का विशेष तौर पर अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि बीते दिनों उत्तरकाशी में टनल से हमारे श्रमिक भाईयों को सुरक्षित निकालने का जो सफल अभियान चला, उसके लिए मैं राज्य सरकार समेत सभी का अभिनंदन करता हूं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।